प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

फसलों में खरपतवार प्रबन्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

पन्तनगर। 24 मार्च 2025। विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन शोध परियोजना के 'अनुसूचित जाति उपयोजना' के अंतर्गत, ग्राम मझराविधि, खानपुर, गदरपुर में किसानों को प्रमुख फसलों में खरपतवार प्रबन्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें खरपतवार प्रबन्धन परियोजना के परियोजनाधिकारी डा. एस.पी. सिंह एवं डा. तेज प्रताप, प्राध्यापक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डा. एस.पी. सिंह ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम मझरा विधि, खानपुर की प्रधान श्रीमती राजबाला भी उपस्थित रही। डा. तेज प्रताप ने फसलों में खरपतवार से होने वाले हानियों एवं उनको नियंत्रण करने की विधियों के बारे में चर्चा की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में परियोजना की तरफ से सभी किसान भाईयों एवं बहनों को विभिन्न खरीफ फसलों में प्रयोग होने वाले नये शाकनाशियों, धान का बीज, खाद एवं कट बूम नॉजलका वितरण किया गया। डा. एस.पी. सिंह ने सुझाव दिया कि शाकनाशी के प्रयोग का सबसे उचित समय तब होता है, जब खरपतवार 2–4 पत्ती अवस्था में हो, उन्होनें बताया कि किसान शाकनाशियों के छिड़काव के समय अत्यधिक मात्रा में शाकनाशी व कम मात्रा मे पानी का प्रयोग करते है, जिससे खरपतवारों का नियन्त्रण उचित माध्यम से नहीं हो पाता। उन्होंने शाकनाशी के प्रयोग की तकनीकियों के बारे में चर्चा करते हुये बताया कि खरपतवार नाशियों के छिड़काव के लिए हमेशा फ्लेंट फेन कट नॉजल का प्रयोग उचित होता है तथा बूम नोजल का प्रयोग करने पर जोर दिया। सभी किसान भाईयों एवं बहनों ने अपनी समस्याओं को वैज्ञानिकों के समक्ष रखा और उसके समाधान के विषय में जानकारी ली। प्रशिक्षण कार्यक्रम में परियोजना के वरिष्ठ शोधार्थी विशाल विक्रम सिंह, राजीव एवं लगभग 100 पुरूष एवं महिला कृषक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में किसानों को जानकारी देते अधिकारी।

निदेशक संचार